ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

मैं सर्व श्रेष्ठ अर्थात कोटों में कोई आत्मा हूँ..

इस शुद्ध फीलिंग में खो जाओ..

पुण्य आत्मा वही है...
जो दूसरों का दुःख दूर
करना जानता हो...
दुःख देने वाले तो
पाप ही कमाते हैं...।

पीछे बैठने वालों को बाबा आँखों में समा लेते हैं

बापदादा- 30.03.1999

बापदादा बच्चों का प्यार भी देखते हैं, कितने प्यार से भाग-भाग कर मिलन मनाने पहुंचते हैं और फिर आज हाल में भी मिलन मनाने के लिए कितनी मेहनत से, कितने प्यार से नींद, प्यास को भूलकर पहले नम्बर में नजदीक बैठने का पुरुषार्थ करते हैं। बापदादा सब देखते हैं, क्या-क्या करते हैं वह सारा ड्रामा देखते हैं। बापदादा बच्चों के प्यार पर न्योछावर भी होते हैं और यह भी बच्चों को कहते हैं जैसे साकार में मिलने के लिए दौड़-दौड़ कर आते हो ऐसे ही बाप समान बनने के लिए भी तीव्र पुरुषार्थ करो, इसमें सोचते हो ना कि सबसे आगे ते आगे नम्बर मिले। सबको तो मिलता नहीं है, यहाँ साकारी दुनिया है ना! तो साकारी दुनिया के नियम रखने ही पड़ते हैं। बापदादा उस समय सोचते हैं कि सब आगे-आगे बैठ जाएं लेकिन यह हो सकता है? हो भी रहा है, कैसे? पीछे वालों को बापदादा सदा नयनों में समाया हुआ देखते हैं। तो सबसे समीप हैं नयन। तो पीछे नहीं बैठे हो लेकिन बापदादा के नयनों में बैठे हो। नूरे रत्न हो। पीछे वालों ने सुना? दूर नहीं हो, समीप हो। शरीर से पीछे बैठे हैं लेकिन आत्मा सबसे समीप है। और बापदादा तो सबसे ज्यादा पीछे वालों को ही देखते हैं। देखो नजदीक वालों को इन स्थूल नयनों से देखने का चांस है और पीछे वालों को इन नयनों से नजदीक देखने का चांस नहीं है इसलिए बापदादा नयनों में समा लेता है।

सदा फरिश्ता स्थिति में रहो। फरिश्ता बनने के बाद भी अगर आपके पास कोई समस्या आयी तो परमात्मा शिव स्वयं आपकी छत्रछाया बन जाएंगे।

मन के बंधनों से मुक्त बनो।
मन के व्यर्थ संकल्प भी
फरिश्ता नहीं बनने देंगे।
इसलिए फरिश्ता अर्थात
जिसका मन के व्यर्थ
संकल्पों से भी रिश्ता नहीं।
सदा याद रहे की हम
फरिश्ता किसी रिश्ते में
बंधने वाले नहीं।

Avyakt Murli - 01-05-1984

facebook.com/AvyaktMurliEssence

"I am a PEACEFUL BEING.
Ahimsa is my way of living.
Ahimsa is in every thought, word and action.
I focus only on their qualities ...
I appreciate them and empower them ...
I discipline them but don't use criticism or anger ...

I talk only about the good in them to others ...
I do not harm the environment's vibrations ...
Ahimsa is my way."

BKShivani

We can make
every trouble a water bubble
if we learn the art of handling
our **mind** with **attention**.

BRAHMA KUMARIS

facebook.com/brahmakumaris | youtube.com/brahmakumaris

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org